एशिया का इतिहास

डॉ० के० सी० जैन

Scanned by TapScanner

अनुक्रम

1. **मंचू शासन काल और चीन** 1

मंचू साम्राज्य, मंचू साम्राज्य का विस्तार, चीन का समाजिक जीवन, पंडित वर्ग, कृषक वर्ग, शिल्पी वर्ग, व्यापारी वर्ग, सेवक वर्ग, चीन का सांस्कृतिक जीवन, भाषा तथा साहित्य, धर्म, कला और व्यवसाय, मंचू शासन का पतन

2. **अफीम युद्ध** 17

प्रथम अफीम युद्ध, *युद्ध की प्रमुख घटनाएँ, युद्ध एवं सन्धियों के परिणाम, मूल्यांकन,* द्वितीय अफीम युद्ध, *युद्ध के कारण, युद्ध का आरंभ और युद्ध शान्ति सन्धि, युद्ध के परिणाम,* ताईपिंग विद्रोह, *विद्रोह के कारण, विद्रोह का प्रसार एवं दमन, ताईपिंग सुधार, विद्रोह की असफलता के कारण, विद्रोह के परिणाम, ताईपिंग, वद्रोह की आलोचना,* चीनी खरबूजे का काटा जाना, बॉक्सर विद्रोह, *विद्रोह के कारण, विद्रोह का प्रारम्भ एवं दमन, विद्रोह की विफलता के कारण, विद्रोह के परिणाम एवं महत्त्व*

3. **चीन में सुधारों का पहला दौर और 1911 की क्रांति** 48

सम्राट तउंगची और साम्राज्ञी त्यु-शी, मार्गेरी कांड, चेफू समझौता, राजनीतिक प्रतिनिधि मंडल, सेना में सुधार, औद्योगीकरण, आर्थिक सुधार, शिक्षा के क्षेत्र में सुधार, वैध-राजसत्ता की स्थापना, 1911 की चीन की महान क्रान्ति, *क्रान्ति के कारण, क्रान्ति की घटनाएँ, क्रान्ति का स्वरूप, क्रान्ति के परिणाम, क्रान्ति की असफलता के कारण,* डॉ. सनयात सेन और चीन की महान क्रान्ति

Scanned by TapScanner

4. **1912 ई. से 1920 ई. का चीन** 67
यूआन-शि-काई, *यूआन-शि-काई की समस्याएँ, वैदेशिक नीति, यूआन की गृह-नीति, यूआन-शि-काई का मूल्यांकन, प्रथम महायुद्ध और चीन, पेरिस शान्ति सम्मेलन और चीन, वाशिंगटन कांफ्रेंस, चार-शक्ति-सन्धि, नौ-शक्ति-सन्धि,* कैंटन सरकार की स्थापना, यूआन-शि-काई की मृत्योपरांत चीन

5. **कुओमिंतांग और च्याँग-काई-शेक** 83
कुओमिंगतांग दल का संगठन, च्यांग-काई-शेक, नानकिंग सरकार की उपलब्धियाँ

6. **चीन में साम्यवाद का उत्कर्ष** 93
साम्यवादी आन्दोलन का श्रीगणेश, चीन में साम्यवादी आन्दोलन का विकास, *मजदूरों और किसानों का संगठन, कुओमिंगताग-साम्यवादी संघर्ष का श्रीगणेश, कम्युनिस्ट और कुओमिंगतांग का संयुक्त राष्ट्रीय मोर्चा, साम्यवादियों* का कुओमिंगतांग से सम्बन्ध विच्छेद, *साम्यवादियों का शक्ति संवर्द्धन और लाल सेना का गठन, च्यांग द्वारा साम्यवादियों पर किये जाने वाले हमले, संयुक्त मोर्चा का पुनर्गठन, गृहयुद्ध की पुनरावृत्ति,* चीनी साम्यवादी क्रान्ति की विशेषताएँ, राष्ट्रवादियों के विरुद्ध साम्यवादियों की सफलता के कारण

7. **1949 से 1980 तक का साम्यवादी चीन** 110
माओ-त्से-तुंग, चू-तेह, चाऊ-एन-लाई

8. **मैजी शासन की पुर्नस्थापना और जापान का आधुनिकीकरण** 134
तोकुगावा शोगुन, *तोकूगावा शासन की राजनीतिक व्यवस्था, तोकूगावा समाज की संरचना, तोकुगावा शासन का पतन,* जापान की पृथकतावादी नीति का अन्त, जापान की पृथकतावादी नीति के परित्याग का प्रभाव, मेईजी पुनर्स्थापना, *कोकूगाकू, मेईजी शासकों की भू-राजस्व व्यवस्था, आर्थिक बदलाव, उग्र राष्ट्रवादिता का उदय, नये संविधान का निर्माण, नूतन शासन प्रणाली,* मेइजी पुनर्स्थापना के वक्त जापान की अंतःस्थिति, मेईजी पुनर्स्थापना का महत्व

9. **जापानी साम्राज्यवाद** 164
जापान में साम्राज्यवाद के उदय के लिए जिम्मेदार कारक, जापान का साम्राज्यवादी कदम, *प्रथम चीन-जापान युद्ध, आंग्ल-जापान सन्धि, रूस-जापान युद्ध, साम्राज्यवादी जापान का प्रथम शिकार कोरिया, साम्राज्यवादी जापान और मंचूरिया, प्रथम महायुद्ध और जापान, साइबेरिया प्रकरण और जापान*

Scanned by TapScanner

10. सम्राज्यवादी जापान का पतन एवं नवीन जापान का उद्भव 189

द्वितीय विश्व युद्ध से सम्बद्ध मुख्य घटनाएँ, द्वितीय विश्व युद्ध में जापान के भाग लेने के प्रमुख कारण, द्वितीय विश्व युद्ध में जापान की पराजय का प्रमुख कारण, पराजय के उपरान्त जापान, नये संविधान का निर्माण और नवीन जापान का उद्भव, जापानी नीति में परिवर्तन, शान्ति समझौता, भारत और शान्ति सन्धि, सन्धि की प्रतिक्रिया, युद्धकालीन अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं समझौते, नवीन जापान में सुधारात्मक कार्य

11. चीन-जापान सम्बन्ध (1870-1945 ई.) 212

चीन-जापान सम्बन्ध 1895-1945, जापान द्वारा जेहोल की विजय 1933, मंगोलिया पर जापान की दृष्टि, नानकिंग सरकार का रुख, जापान में राजनीतिक परिवर्तन, ल्युकोचियाओ की दुर्घटना

12. आधुनिक टर्की का उत्कर्ष 221

युवा तुर्क आंदोलन, युवा तुर्क क्रान्ति का प्रभाव, क्रान्ति का मूल्यांकन : युवा तुर्क आंदोलन की असफलता, कमाल पाशा के नेतृत्व में टर्की का नव-जीवन, सेव्र की सन्धि पर प्रतिक्रिया, लोसाने की सन्धि : आधुनिक टर्की का जन्म, मुस्तफा कमाल पाशा के सुधारात्मक कार्य, सुधार कार्यों का मूल्यांकन, तुर्की के अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

13. इंडोनेशिया की स्वतंत्रता 237

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, इंडोनेशिया में इस्लाम का प्रवेश, पाश्चात्य देशों से संपर्क, इंडोनेशिया में डचों का प्रभुत्व, डच शासन में इंडोनेशिया में सुधार, इंडोनेशिया में डच शासन का मूल्याकंन, इण्डोनेशिया गणतन्त्र का निमार्ण

14. भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन का उत्थान और विकास 263

राष्ट्रीय आन्दोलन का प्रथम चरण, इंडियन नेशनल कांग्रेस की स्थापना 1885, 1885.1905 के मध्य कांग्रेस के कार्यों का संक्षिप्त वर्णन, दूसरा चरण, क्रांतिकारी प्रवृत्तियाँ, प्रारंभिक गतिविधियाँ, गुप्त संस्थाओं की स्थापना एवं क्रांतिकारी गतिविधियाँ, क्रांतिकारी प्रवृत्ति का पतन, गदर आंदोलन, होम रूल लीग, तीसरा चरण, भारतीय राजनीति में महात्मा गांधी का प्रादुर्भाव, खिलाफत आंदोलन, असहयोग आंदोलन, स्वराज्य दल का गठन, साइमन कमीशन, चतुर्थ चरण, पूर्ण स्वराज्य दिवस, सविनय अवज्ञा आंदोलन, दांडी यात्रा, गांधी-इरविन समझौता, गोलमेज सम्मेलन, कम्यूनल एवार्ड, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट 1935 ई., मुस्लिम राजनीति 1930.1940, पंचम चरण, अंग्रेजी साम्राज्यवादी नीति 1939.1946, भारत छोड़ो आंदोलन, सशस्त्र

Scanned by TapScanner

बगावत की परंपरा और आई.एन.ए., भारत का विभाजन और स्वतंत्रता, 16 जून, 1946 की घोषणा

15. भारत-पाक युद्ध और बंगलादेश का उदय **351**

1965 का भारत-पाकिस्तान युद्ध, भारत पाकिस्तान युद्ध 1971, युद्ध विराम और बंगलादेश का उदय

16. पश्चिम एशियाई संघर्ष **358**

ईरान-इराक युद्ध, इराक के तानाशाह सद्दाम हुसैन का उत्कर्ष, पहला खाड़ी युद्ध, अमेरिका के नेतृत्व में हमला और सद्दाम शासन का अंत, अरब-इजरायल संघर्ष, प्रथम अरब-इजरायल युद्ध (1948), द्वितीय अरब-इजरायल संघर्ष (1956), इजरायल और अरब राज्यों के तनाव के कारण, तृतीय अरब इजरायल युद्ध (1967)

Scanned by TapScanner